छोटा बारहसिंगा

माइकल

छोटा बारहसिंगा

माइकल

बारहसिंगा थोड़ा आश्चर्यचकित था कि लोग इतना बवाल आखिर क्यों मचा रहे थे. वो बर्फ से ढकी इमारतों की खिड़कियों में से बाहर निकलती रोशनी देख सकता था. छायादार आकृतियाँ रहस्यमय बंडलों को लेकर दरवाजों में से अंदर-बाहर आ-जा रही थीं.

छोटा बारहसिंगा सबसे बड़ी इमारत - जो बर्फ से ढंकी थी की ओर गया. जैसे-जैसे वह करीब पहुंचा उसने वहां गाना, नाचना और लोगों की चहलकदमी सुनी.

छोटे बारहसिंगे ने दरवाजे के अंदर गर्म, शोरगुल वाले कमरे में झाँक कर देखा.

गाने के शौकीन लोगों के बीच अद्भुत जानवर घूम रहे थे. छोटा बारहसिंगा कमरे में घुसा और अचानक बाकी भीड़ के साथ उसने खुद को जानवरों के बीच में पाया.

उसने पीछे हटने की कोशिश की, लेकिन जानवरों ने उसे पीछे से धक्का दिया. अचानक वे सभी जानवर रंगीन कागजों के एक तूफ़ान में गायब हो गए.

वो घूमते-घूमते अलग-अलग रंगों में बदला. अब वो ठंडा हो गया था. चीजें उससे आकर टकराती रहीं और अंत में वो हिल तक नहीं सका.

उसे घंटियाँ सुनाई दीं और उनकी
जय-जयकार सुनकर उसे बड़ा
संतोष महसूस हुआ.

घंटों तक वो रुकता और चलता रहा, चलता और गिरता रहा.
पर अब वो फिर से अपने खुरों पर दौड़ रहा था.

उसने अपने पैर हिलाने की कोशिश की, और वो खड़े होने में कामयाब भी हुआ.
अपने खुरों के नीचे बर्फ की कोमलता को महसूस करने के बाद उसने कुछ राहत
महसूस की, लेकिन फिर भी उसे कुछ भी दिखाई नहीं दिया.
छोटा बारहसिंगा अँधेरे में खड़ा था, और अजीब आवाजों से घिरा हुआ था.
फिर उसे अपने पीछे पैरों की एक आहट सुनाई दी.

अचानक वो एक चेहरे को घूर रहा था. उस चेहरे पर एक मुस्कान थी. "वाह! क्या बढ़िया उपहार है!" लड़के ने उसे उठाया और फिर वो बर्फ में गोल-गोल नाचने लगा.

लेकिन मैं तुम्हें कहाँ रखूँ? इमारत में किसी पालतू जानवर को रखने की अनुमति नहीं है. मुझे पता है ... पर तुम यहाँ मेरे कबूतरों के साथ रह सकते हो."
लड़के ने छत के एक छोर पर एक बड़े शेड का दरवाजा खोला. तुरंत ही आकाश, पक्षियों से भर गया.

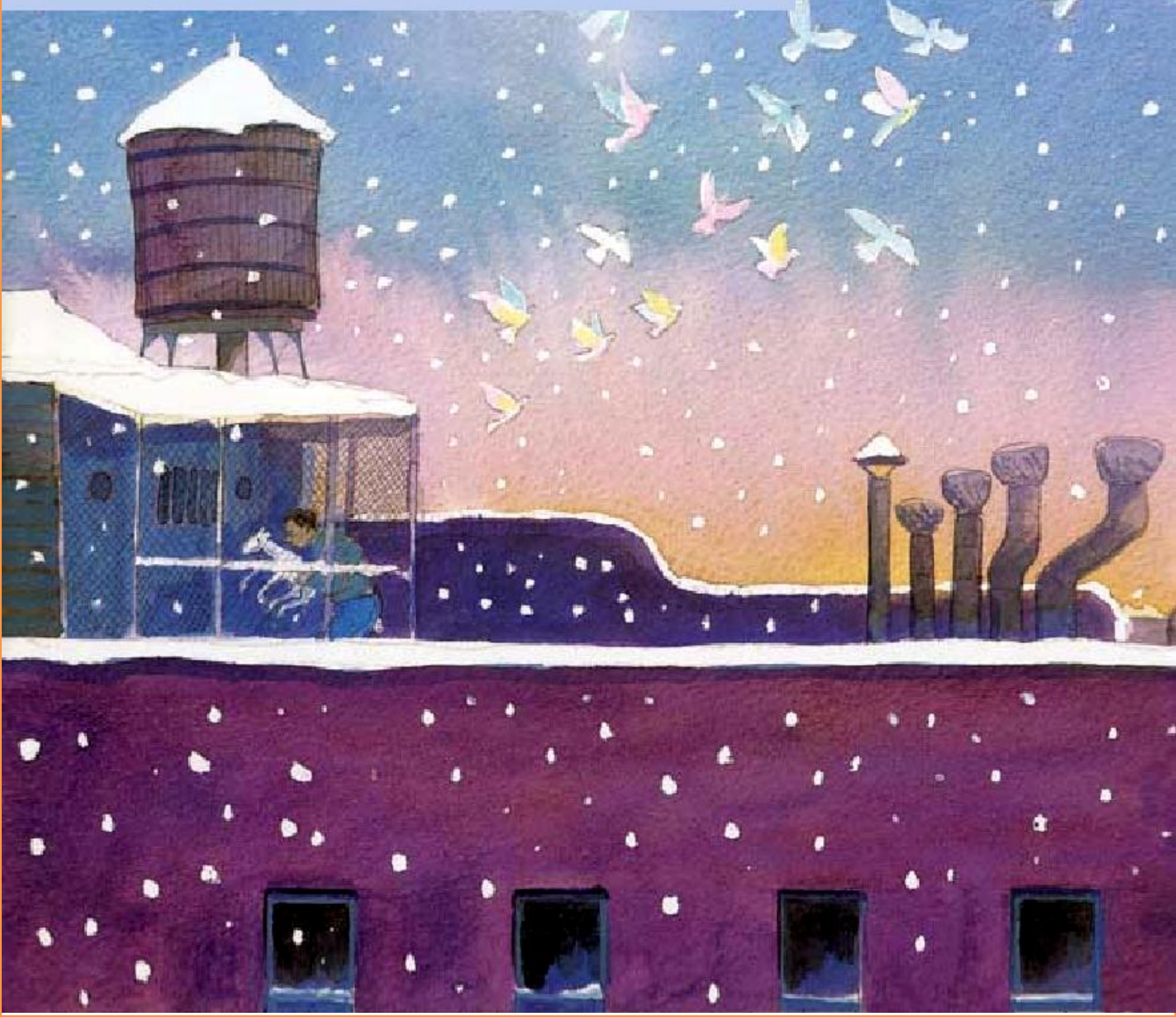

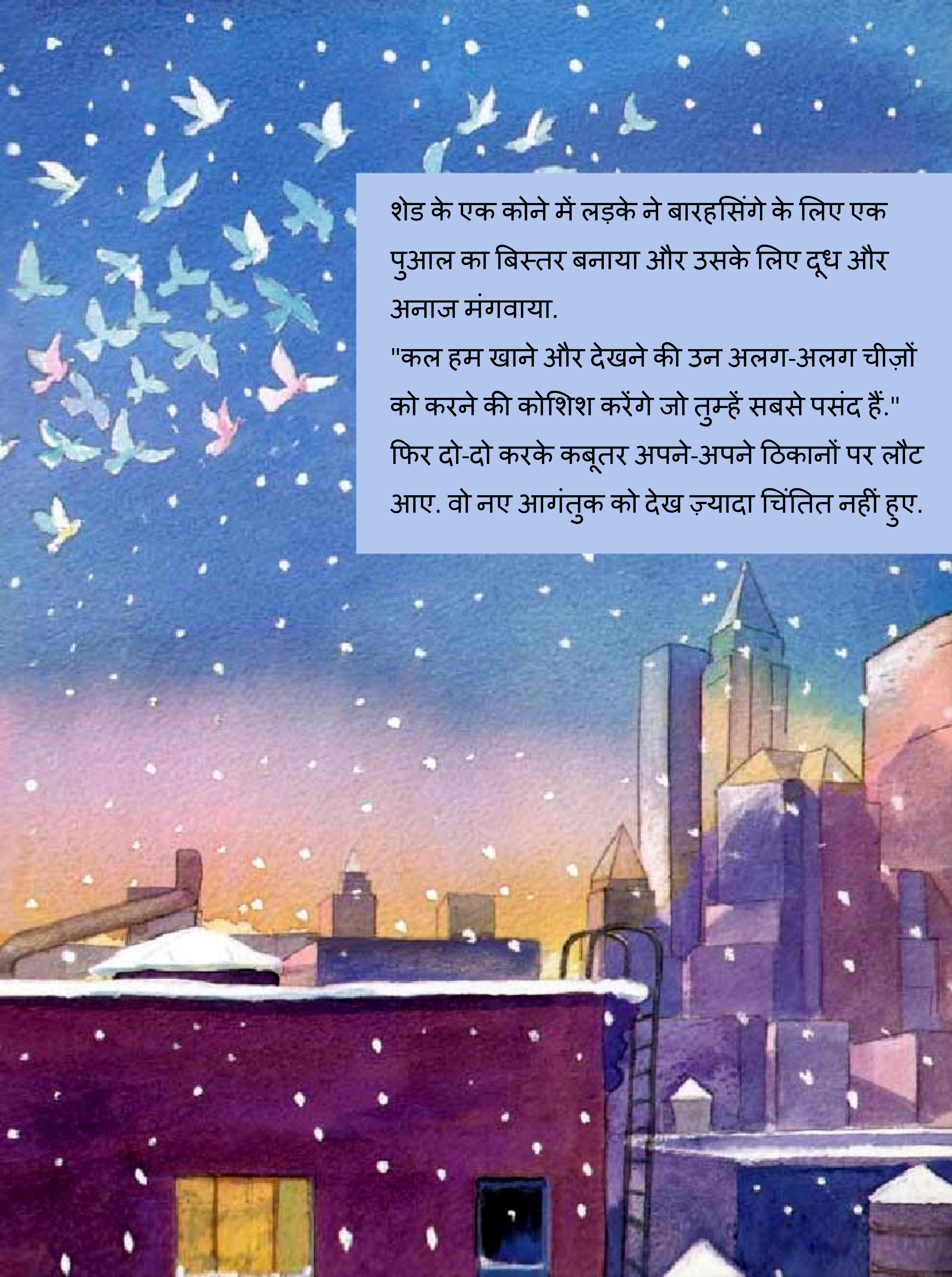

शेड के एक कोने में लड़के ने बारहसिंगे के लिए एक पुआल का बिस्तर बनाया और उसके लिए दूध और अनाज मंगवाया.

"कल हम खाने और देखने की उन अलग-अलग चीज़ों को करने की कोशिश करेंगे जो तुम्हें सबसे पसंद हैं."

फिर दो-दो करके कबूतर अपने-अपने ठिकानों पर लौट आए. वो नए आगंतुक को देख ज़्यादा चिंतित नहीं हुए.

अब हर दिन लड़का छोटे बारहसिंगे के लिए भोजन और दूध लेकर आता था. छोटे बारहसिंगे को मूंगफली के मक्खन की सैंडविच सबसे पसंद थीं. जब कबूतर आसमान में ऊंची-ऊंची उड़ान भरते, तब लड़का और बारहसिंगा छत पर चारों ओर टहलते और नीचे शहर के व्यस्त जीवन को देखते थे.

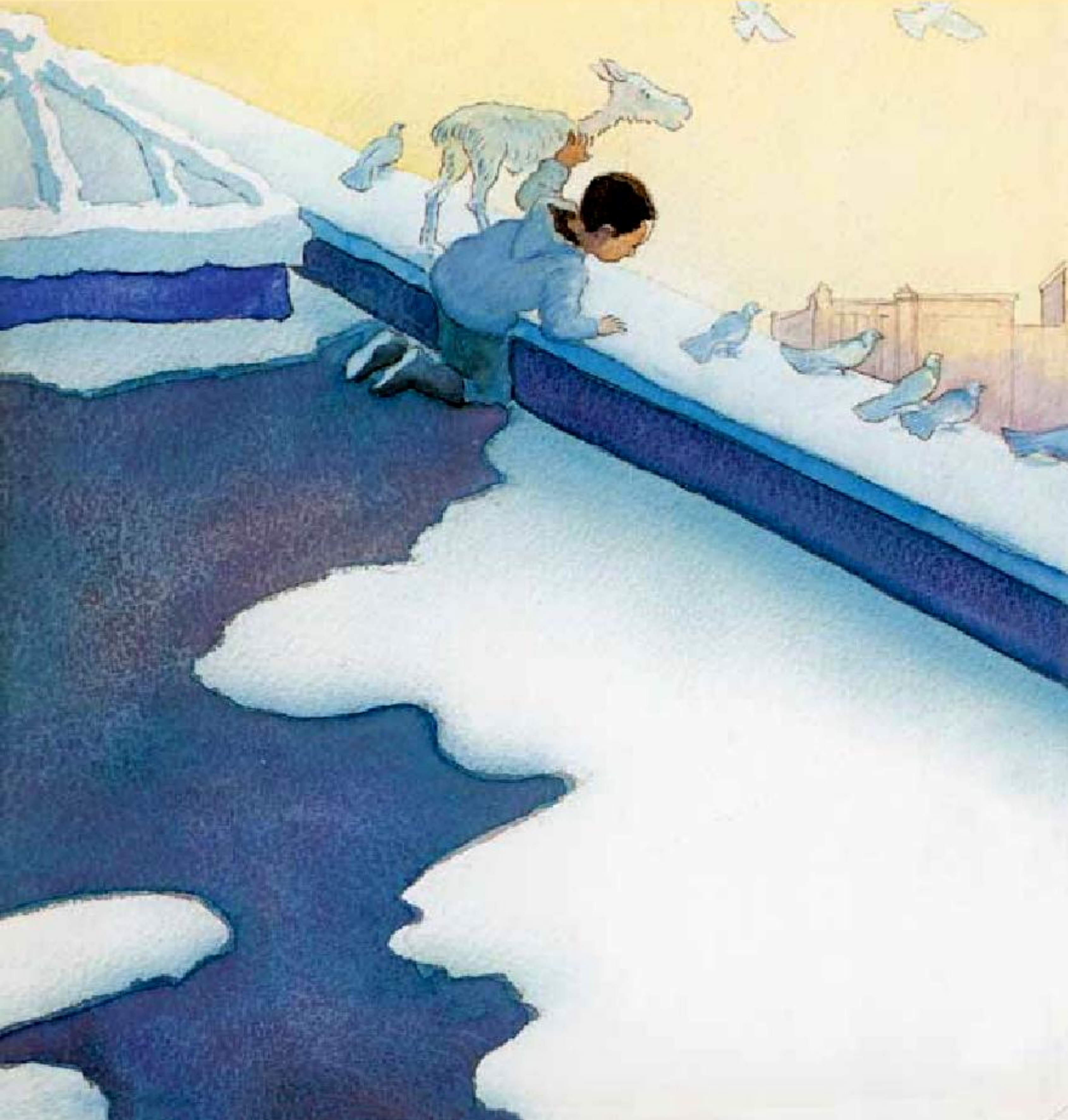

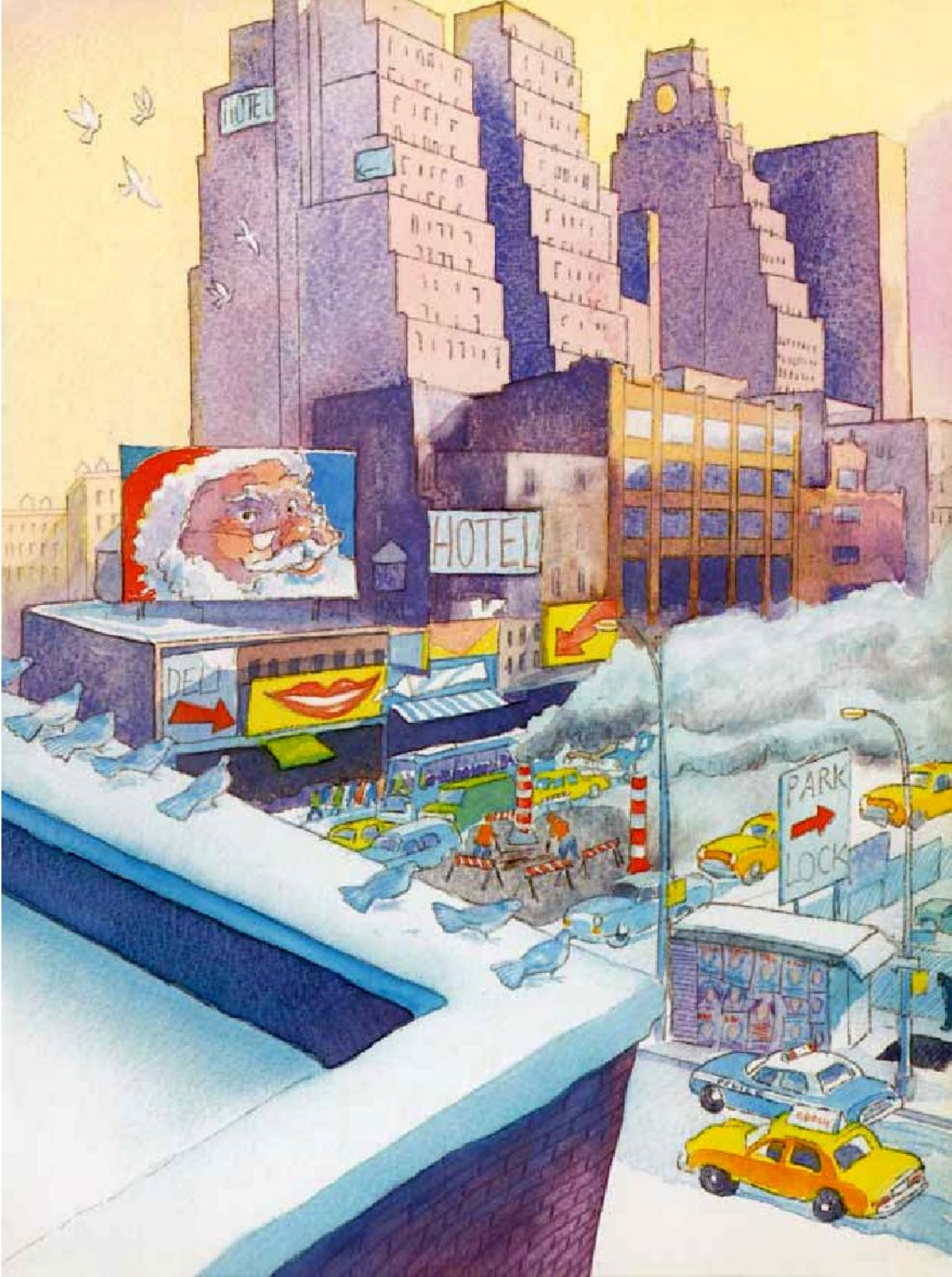
HOTEL
HOTEL
DELI
PARK
LOCK

मौसम धीरे-धीरे गर्म होता गया और छोटा बारहसिंगा भी बड़ा होता गया. एक दिन जब लड़के ने कबूतरों को बाहर निकलने के लिए शेड का दरवाजा खोला, तो बारहसिंगा भी उनके साथ हवा में उड़ा.

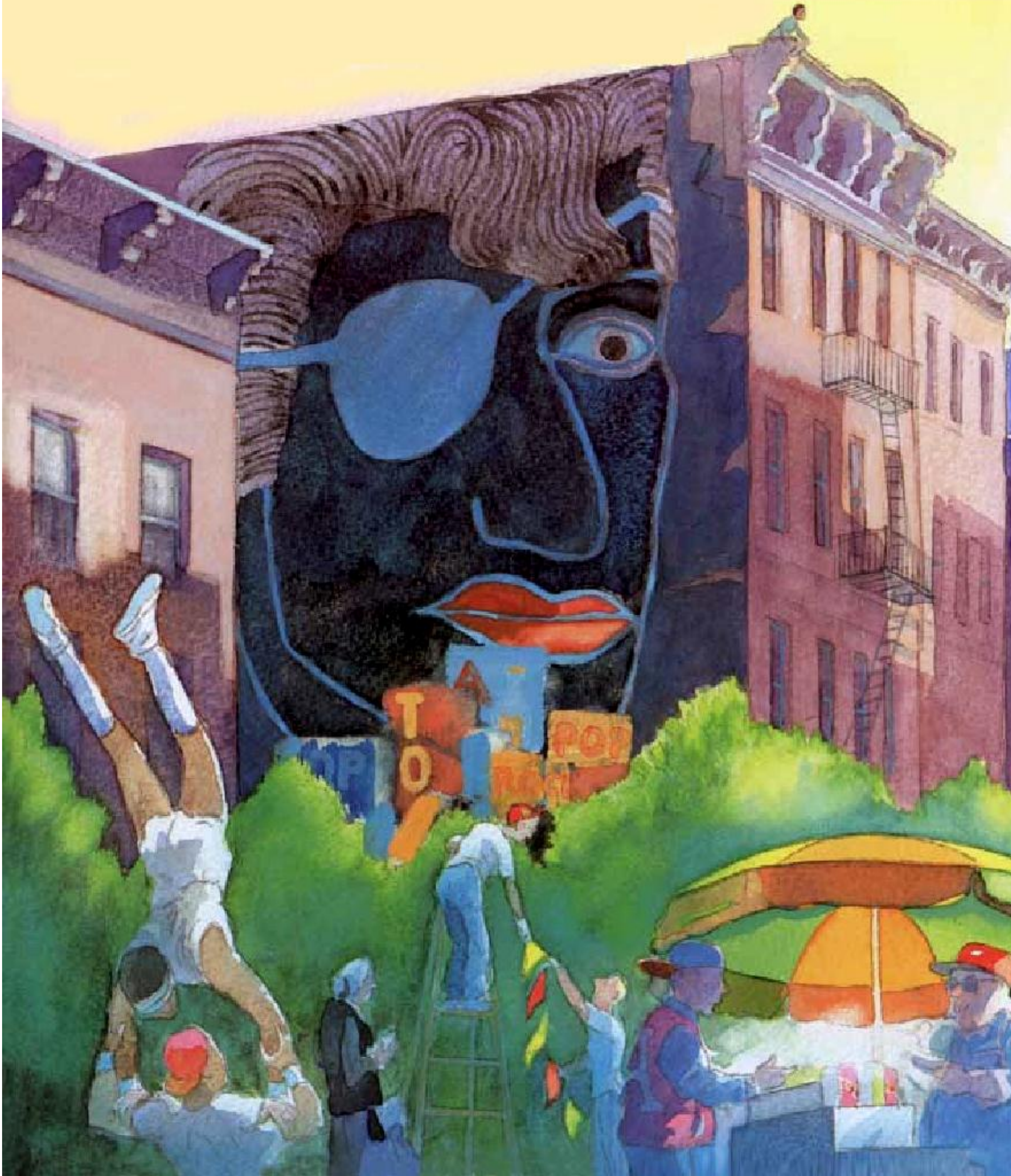

बारहसिंगा बहुत दूर तक नहीं उड़ पाया. पहली बार वो सिर्फ पड़ोस की इमारत तक गया और फिर वापिस आया. लेकिन जैसे-जैसे दिन बीते, वो और लम्बी उड़ाने भरने लगा.

लड़का बहुत खुश था. उसने अपने अद्भुत क्रिसमस उपहार उस पालतू जानवर के बारे में किसी को नहीं बताया, क्योंकि उसे पता था कि उसे बारहसिंगे को रखने की अनुमति नहीं मिलेगी.

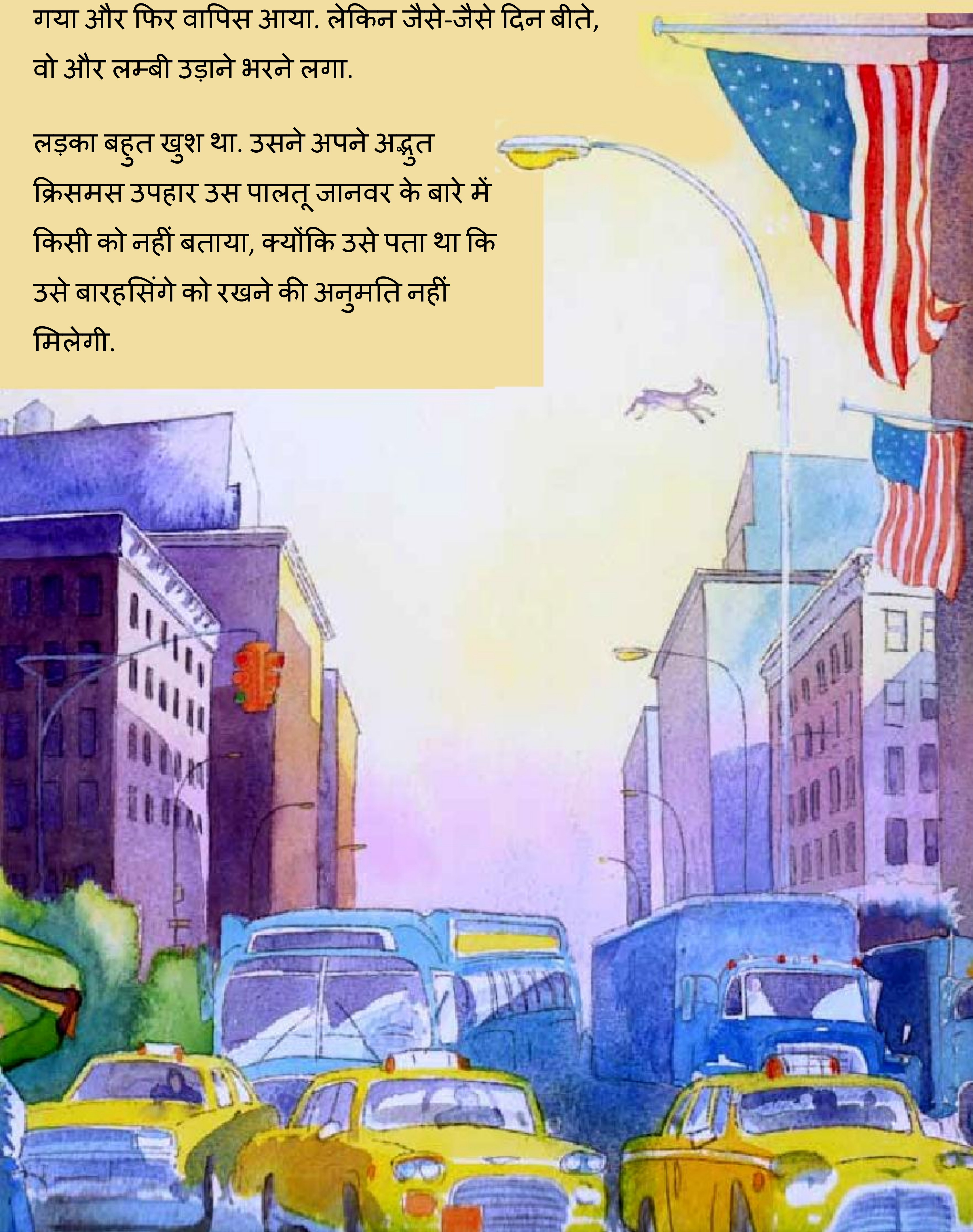

गर्मियों तक बारहसिंगा काफी बड़ा हो गया था. अब लड़का उसकी पीठ पर बैठकर छत के चारों ओर उड़ सकता था. फिर, एक शाम, उन्होंने शहर की छतों पर एक साथ उड़ान भरी.

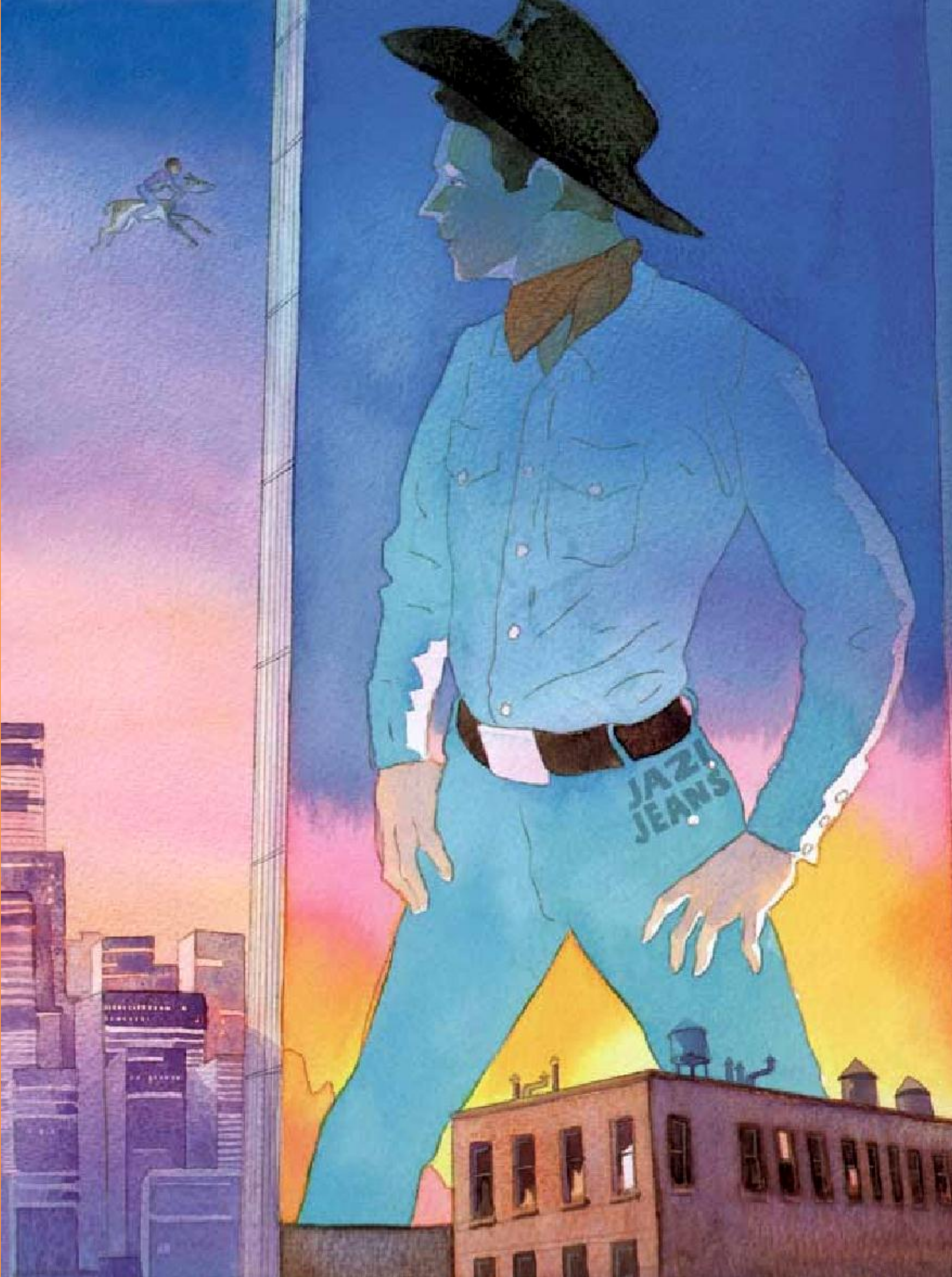
JAZI
JEANS

फिर वे गर्मी की हर लंबी रात और पतझड़ में पेड़ों के सुनहरे पत्तों पर एक साथ उड़े.

जब सर्दियों की पहली बर्फबारी शुरू हुई, तो लड़के ने बारहसिंगे की आंखों में एक अजीब उदासी देखी. लड़के ने हमेशा की तरह उसे गले लगाया, लेकिन बारहसिंगे ने आसमान में तेजी से बढ़ते हुए बादलों को देखा और उसका चेहरा मुरझा गया.

लड़का जानता था कि हरेक पीढ़ी में
से केवल छह या सात बहुत विशेष
बारहसिंगे ही उड़ सकते थे.
उसे उनके नाम भी पता थे.
वो जानता था कि उसका बारहसिंगा
उन विशेष बारहसिंगों में से एक था.

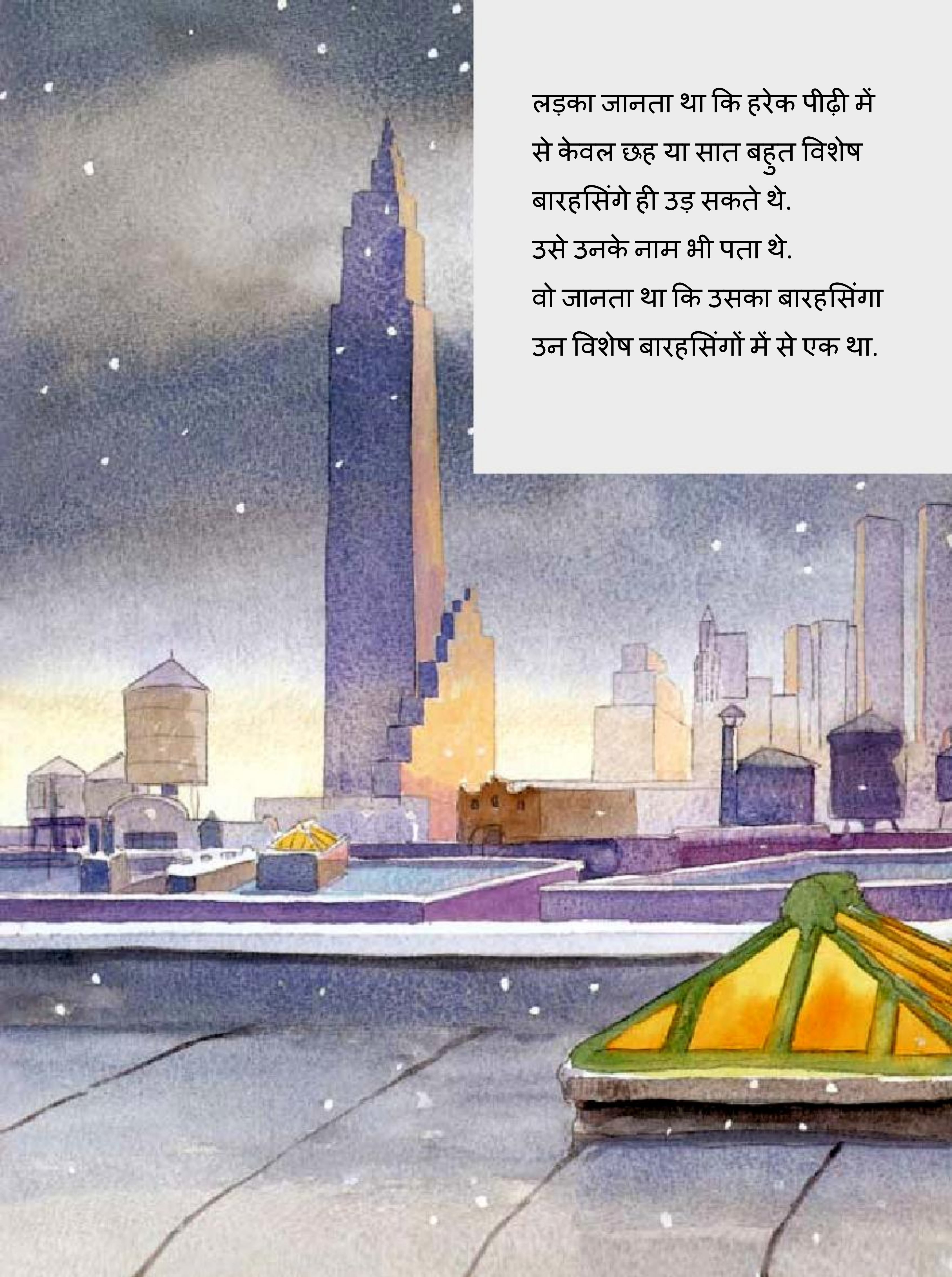

क्रिसमस की पूर्व संध्या पर लड़के ने बारहसिंगे को उसका पसंदीदा डिनर दिया और कबूतरों ने गाना गाया. वे तब भी गा रहे थे जब उन्होंने बारहसिंगे को गुड-नाइट कहा.

अपने बिस्तर से उसने क्रिसमस की घंटी की आवाज़ सुनी,
लेकिन तब तक वो एक सपना देख रहा था.

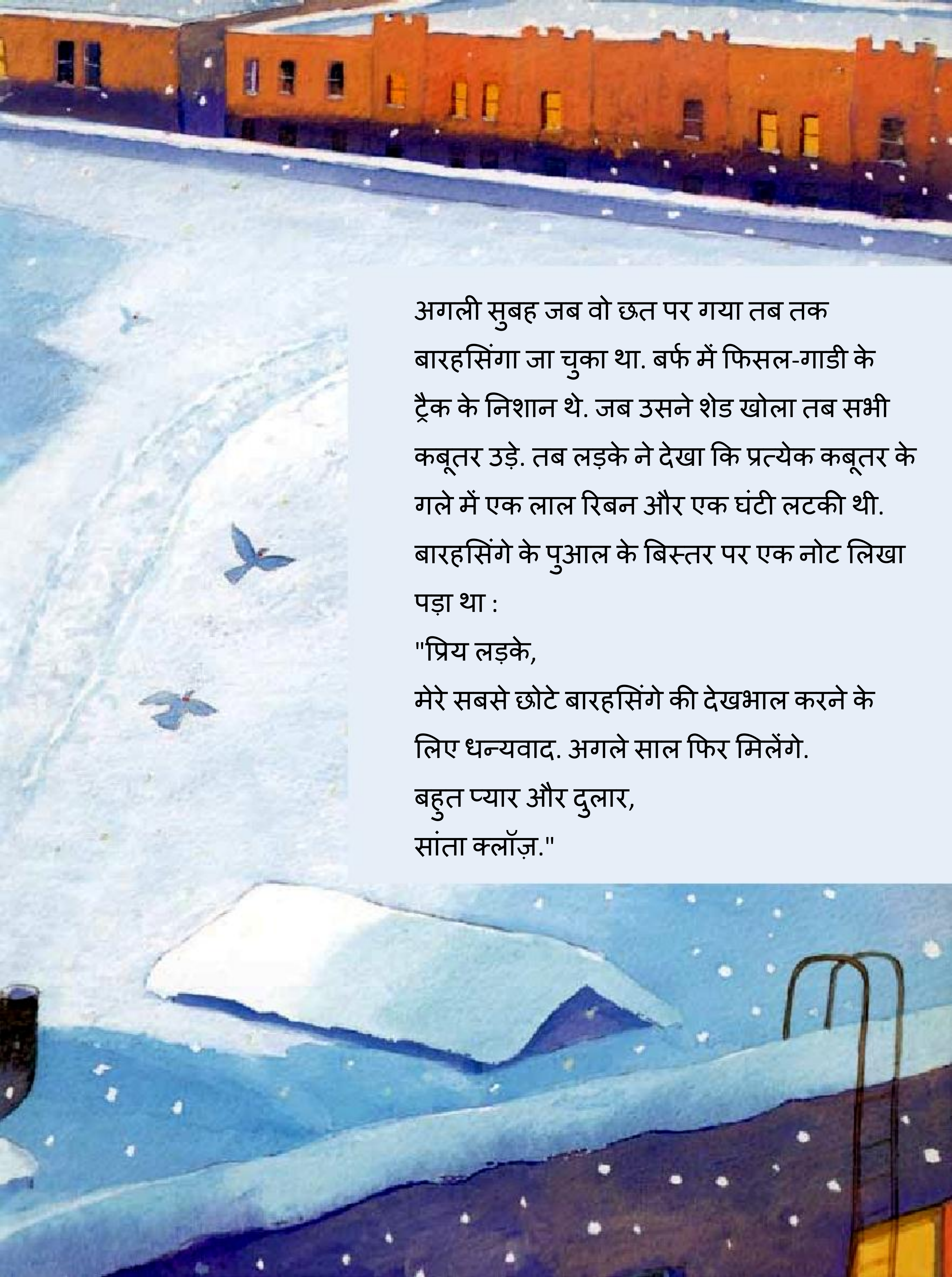

अगली सुबह जब वो छत पर गया तब तक बारहसिंगा जा चुका था. बर्फ में फिसल-गाडी के ट्रैक के निशान थे. जब उसने शेड खोला तब सभी कबूतर उड़े. तब लड़के ने देखा कि प्रत्येक कबूतर के गले में एक लाल रिबन और एक घंटी लटकी थी. बारहसिंगे के पुआल के बिस्तर पर एक नोट लिखा पड़ा था :

"प्रिय लड़के,

मेरे सबसे छोटे बारहसिंगे की देखभाल करने के लिए धन्यवाद. अगले साल फिर मिलेंगे.

बहुत प्यार और दुलार,

सांता क्लॉज़."

अगले वसंत, गर्मियों और पतझड़ में लड़के ने हर बार कबूतरों के उड़ने पर घंटियों की झंकार सुनी. और क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, जब उसने बर्फीले आकाश से असली घंटियों की आवाज़ सुनीं, तो वह दूध और मूंगफली वाले मक्खन के सैंडविच लेकर छत पर इंतजार कर रहा था.

समाप्त